अतिथि व्याख्यान का आयोजन

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के संभाग प्रथम में दिनांक 22 अक्टूबर 2016 को इतिहास विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के निर्देशानुसार एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मोतीलाल नेहरु महाविद्यालय, दिल्ली के इतिहास विभाग में कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर नेत्रपाल सिंह ने विषय "राष्ट्रीय आंदोलन में संवैधानिक विकास के विभिन्न राजनैतिक पहलू" पर अपने विचार व्यक्त किये। यह व्याख्यान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ कृष्णकांत गुप्ता के निर्देशन में हुआ। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ जयपाल सिंह ने मुख्य वक्ता का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ नेत्रपाल सिंह ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय आंदोलन में विभिन्न विचारधाराओं के समावेश के बारे में बताया। उन्होंने सबसे पहले इतिहास में विभिन्न विचारधाराओं और नज़रियों की महत्वता के बारे में बताया।

उन्होंने आजादी के सही मायने बताते हुए कहा कि आजादी केवल अंग्रेजों से ही नहीं बल्कि आजादी अशिक्षा, भेदभाव और आर्थिक वर्गीकरण से प्राप्त करने को कहते हैं। जहाँ समाज को शिक्षा प्राप्त करने का सामान अधिकार, सम्पत्ति प्राप्त करने का समान अधिकार कानून प्रदान करें उसी परिस्थिति को हम स्वतंत्रता मान सकतें हैं उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में गाँधी जी, जिन्ना और बीo आरo अम्बेडकर की विचारधाराओं के बारे में बताया। उन्होंने संवैधानिक विकास की बात करते हुए 1833 से लेकर 1935 तक के अधिनियमों के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से भी यह अपील की कि वे इतिहास के विषय को केवल तथ्यों पर ही नहीं बल्कि तथ्यों से जुड़े शोध के आधार पर इतिहास की घटनाओं को समझें। अंत में विद्यार्थियों ने इस विषय से सम्बंधित प्रश्न भी पूछे जिनका मुख्य वक्ता ने संतोषजनक जवाब दिया। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ जयपाल सिंह ने मुख्य वक्ता को बच्चों द्वारा बनाई गयी एक चित्रकला मोमेंटो के रूप में भेंट की। अंत में इतिहास विभाग के सहायक प्राध्यापिका श्रीमती विनीता शर्मा ने सभी का धन्यवाद किया।